राज्यसभा /लोकसभा के पटल पर प्रस्तुत करने हेतु कागजात

प्राधिकृत

नई दिल्ली

दिनांक 29, 2/15.

कर्नल. राज्यवर्धन राठौर (निवृत्त)

Col Rajyavardhan Rathore (Retd)

राज्यमंत्री

MoS (I&B)

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

वर्ष 2013-14 के लिए राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के कार्य पर सरकार द्वारा समीक्षा

1. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. (एनएफडीसी) की स्थापना वर्ष 1975 में भारत सरकार द्वारा फिल्म उद्योग के एकीकृत एवं समन्वित विकास हेतु योजना बनाने, प्रोत्साहन देने एवं सुसंगठित करने के मुख्य उद्देश्य से की गई है. वर्ष 1980 में एनएफडीसी के साथ फिल्म वित्त निगम) एफएफसी (तथा भारतीय चलचित्र निर्यात निगम) आयएमपीईसी (के विलीनीकरण द्वारा एनएफडीसी की पुनर्रचना की गई . एनएफडीसी ने अब तक विभिन्न भारतीय भाषाओं में 300 से ज्यादा फिल्मों का निर्माण और वित्तपोषण किया है जिन्हे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया है।

2. एनएफडीसी का प्रमुख उद्देश्य भारतीय फिल्म उद्योग के एकीकृत एवं विकास हेतु योजना बनाना, प्रोत्साहन देना एवं सुसंगठित तथा एकीकृत एवं समन्वित विकास करना है. एक फिल्म विकास एजेंसी के रूप में, एनएफडीसी उन क्षेत्रों में फिल्म उद्योग के सुगमतम विकास के लिए उत्तरदायी है जहां निजी उद्यम व्यावसायिकता की वजह से आगे नही आ पाते। इस प्रकार, जैसे जैसे उद्योग विकसित तथा विस्तारित होता है और नई चुनौतियां तथा कमियां इस विकास के प्रत्येक चरण में उत्पन्न होती है, अत: एनएफडीसी के लिए जरूरी है कि वह शीघ्रातिशीघ्र उद्योग के प्रयासों के उन पूरक क्षेत्रों में कदम बढाए.

3. फिल्म निर्माण के क्षेत्र में, विभाग सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की 12 वीं पंचवर्षीय योजना के "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्म निर्माण" शीर्षक के अंतर्गत ऐसी फिल्मों का निर्माण/सहनिर्माण करता है जो भारत के सिनेमा को प्रतिबिंबित करती हों. इस योजना के अंतर्गत, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. फिल्म निर्माण के दिशा निर्देश के अंतर्गत फिल्मों का निर्माण/सहनिर्माण

करता है. जिसके तहत वह नवोदित फिल्मकारों को फिल्म निर्माण कर रहे उनकी पहली फीचर फिल्म के लिए 100% वित्तपोषण द्वारा प्रोत्साहित करता है. अच्छी क्वालिटी की फिल्मों का सहनिर्माण निजी निर्माताओं के साथ, वे चाहे देशी हो या विदेशी, साझेदारी में की जाती है. वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान, एनएफडीसी ने मांझी- द माऊंटन मैंन, वीस म्हंजे वीस, ताशेर देश, किस्सा, जल, द लंच बॉक्स नामक छह फिल्में पूरी की.

4. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. ने 2011-12 में 'सिनेमाज ऑफ इंडिया' के अंतर्गत डीवीडी में 30 फिल्में सफलतापूर्वक रिलीज कीं. यह प्रक्रिया वित्त वर्ष 2013-14 में भी आगे बढ़ाई गई और इस सूची में डीवीडी अथवा वीसीडी फॉर्मेट में 21 अन्य फिल्में जोड़ दी गई. इस सूची में बहुप्रशंसित फिल्में कमल स्वरूप की 'ओम दर ब दर' और मीरा नायर की 'सलाम बॉम्बे' हैं. इसी साल राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. की नई फिल्में 'ताशेर देश' और 'द गुड रोड' भी प्रदर्शित हुई.

5. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. द्वारा स्वयं बनाई गई फिल्म 'द गुड रोड', जुलाई 2013 में गुजरात में सिनेमाघरों में प्रदर्शित की गई. अनूप सिंह द्वारा निर्देशित और राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. तथा हीमर फिल्म्स (जर्मनी) द्वारा संयुक्त रूप से बनाई जा रही पंजाबी फिल्म 'किस्सा' का प्रीमियर टोरांटो फिल्म फेस्टिवल 2013 में किया गया. इसे इसी श्रेणी में नेटवर्क फॉर द प्रमोशन ऑफ एशियन सिनेमा (एनईटीपीएसी) का बैस्ट एशियन फिल्म का पुरस्कार प्राप्त हुआ. निर्देशक रितेश बतरा द्वारा बनाई गई तथा एनएफडीसी द्वारा सहनिर्मित फिल्म 'द लंच बॉक्स' कान फिल्म फेस्टिवल 2013 में प्रदर्शित की गई जहां इसे 'गॅंड रेल डि'ओर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया जिसे आमतौर पर कान क्रिटिक्स अवॉर्ड माना जाता है.

6. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि.(एनएफडीसी) द्वारा आयोजित फिल्म बाजार एक ऐसा मंच है जो अंतराष्ट्रीय तथा दक्षिण एशियाई फिल्म बिरादरी के बीच सह-निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए ही विशेष रूप से विकसित किया गया है. यह फिल्म बाजार फिल्म निर्माण, निर्माण और वितरण के क्षेत्रों में दक्षिण एशियाई प्रतिभाओं एवं उनकी कृतियों को सामने लाने, प्रोत्साहित करने और प्रदर्शित करने के प्रति केंद्रित है. फिल्म बाजार दक्षिण एशिया की ग्लोबल फिल्म मार्केटके रूप में उभर कर आया है. जिसके प्रत्येक आवृत्ति में बढती हुई दक्षिण एशिया और अंतराष्ट्रीय प्रतिभागिता इस बात की साक्षी है. वर्ष 2013 के फिल्म बाजार में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा तथा पोलैंड जैसे समर्पित देशों सहित 36 देशों के 831 प्रतिभागी थे.